विषय हिन्दी
कक्षा 6
पाठ 3 (नादान दोस्त)

<u>प्रश्नोत्तर</u>

प्रश्न 1 अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस में ही सवाल–जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उत्तर – अंडा के बारे में केशव और श्यामा के मन में निम्न तरह के सवाल उठते थे अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएंगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे? घोंसले कैसे हैं? आदि आपस में ही सवाल–जवाब करके दिल को तसल्ली दिया करते थे उनके सवालों का जवाब देने के लिए उनकी अम्मा और बाबूजी के पास समय नहीं था।

प्रश्न 2 केशव ने श्यामा से चिथड़े टोकरी और दाना पानी मंगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर – केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना पानी मंगाकर कार्निस पर इसलिए रखी थी क्योंकि केशव चिड़िया व अण्डो को भी सुविधाएं देना चाहते थे।

प्रश्न 3 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उत्तर – केशव और श्यामा ने अपनी समझ से तो चिड़िया के अंडों की रक्षा की लेकिन अनजाने में उनसे नादानी हो गई।

प्रश्न 4 मां के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकाल आए? मां ने पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोल कर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर – मां के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में अंडों की हिफाजत करने के लिए बाहर निकल आए मां के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोल कर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया क्योंकि इस गलती में दोनों ही हिस्सेदार थे।

प्रश्न 5 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम नादान दोस्त रखा तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर – हम इसे ''अन्जानी भूल'' शीर्षक देना चाहेंगे।